संमाद

मैथिली में पहिल इ-पेपर

पटना, 29 सितंबर,2008 • साप्ताहिक • अंक- 12 • साल-1 • इनटरनेट संस्करण

नेपाल रेलवे स भेल गठजोड़, जयनगर मे जुड़त पटरी, चलत ट्रेन कहलथि रेलमंत्री

अयोध्या स जनकपुर भाया सीतामढ़ी

समदिया

जयनगर/सीतामढ़ी : रेलमंत्री लालू प्रसाद कहलथि अछि जे ओ दिन दूर नहि जखन अयोध्या स जनकपुर भाया सीतामढ़ी ट्रेन चलय लागत। भारतीय रेल मंत्रालय आओर नेपाल रेलवेक बीच एहि परियोजना पर काज शुरू भ गेल अछि। ई गप श्री प्रसाद जयनगर मे पत्रकार स गप करैत काल कहलाह।

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जयनगर टर्मिनल पर जयनगर स हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) लेल बिहारक चारिम गरीब रथ क शुभारंभ केलाक बाद श्री प्रसादक कहब छल जे एखन जयनगर तक बड़ी लाइन अछि, जखन कि नेपाल में एखन धरि नैरो लाइन रखने अछि। भारत सरकार जयनगर स जनकपुर तक नैरो गेजक आमान परिवर्तन करबा लेल टकाक आबंटन करि देलक अछि। नेपाल रेलवे भारतीय रेल मंत्रालयक मदद स जयनगर स बरदीबांस रेलखंडक निर्माण करि रहल अछि। 68 किमी लंबा एहि परियोजना मे तकनीकी आ आर्थिक दूनू प्रकारक मदद भारत सरकार द रहल अछि। एहि परियोजनाक पूरा भेला पर अयोध्या स जनकपुर भाया सीतामढ़ी ट्रेन चलब संभव भ जाइत। ओना आमान परिवर्तनक बाद दरभंगा-सीमामढ़ी रेलखंड पर सेहो ट्रेनक परिचालन शुरू भ गेल। सीतामढ़ी टिशन पर परिचालनक शुरुआत करैत रेलमंत्री कहलथि जे 15 दिनक भीतर सीतामढ़ी स दिल्लीक लेल नव ट्रेन चलत। एकर संगहि श्री प्रसाद ई घोषणा केलथि जे मार्च तक सीतामढ़ी-रुन्नीसैदपुर व जून तक मुजफ्फरपुर स सीतामढ़ी रेल मार्ग स सीधा जुड़ी जाइत। ओ आशा जगउलथि जे अगिला साल तक गंगा पर पुल तैयार भ जाइत जाहि स सीतामढ़ी स पटनाक दूरी काफी कम भ जाइत। रेलमंत्री मिथिलाक लोक स साफ तौर पर कहलथि जे क्षेत्र मे रेल पटरीक जाल बिछा देल जाइत। ई इलाका काफी पिछड़ल अछि। रेलवे एहिठाम विकासक द्वार खोलत। श्री प्रसाद कहलथि जे दरभंगा-बिरौल रेलखंड तैयार भ चुकल अछि आ यथाशीघ्र ओहि रेलखंड पर सवारी गाड़िक परिचालन शुरू भ रहल अछि। श्री प्रसाद कहब छल जे बाढ़क कारण किछु विलंब भ रहल अछि, मुदा मिथिलाक सबटा रेलपरियोजना समय स पूरा होइत।

जयनगर-दिल्ली भाया दरभंगा-पटना गरीब रथ शुरू

सपना भेल साकार, दरभंगा-सीतामढ़ी बड़ी लाइन पर चलल ट्रेन

सीतामढ़ी स दिल्ली क लेल 15 दिन मे भेटत नव ट्रेन

मुजफ्फरपुर स सीतामढ़ी जून तक जुड़त रेलमार्ग स

दरभंगा-बिरौल रेलखंड तैयार, परिचालन शीघ्र संभव

आरपीएफ मे 20 हजार रखल जाइत जवान

दरभंगा : रेलमंत्री लालू प्रसाद कहलथि अछि जे भारतीय रेल लेल एक लाख करोड़ टका मुनाफा आब सपना नहि रहल। ओ आशा करैत छथि जे 70 हजार करोड़ टका मुनाफा कमा चुकल रेलवे क लेल मुनाफाक अगिला लक्ष्य एक लाख करोड़ टका रहत। हुनक कहब अछि जे इ लक्ष्य यूपीए सरकारक कार्यकाल मे पूरा करि लेल जाइत। श्री प्रसाद जयनगर आ सीतामढ़ी मे जनसभा स कहलथि जे मिथिला मे रेलक आधारभूत संरचना लेल यूपीए सरकार तत्पर अछि। हुनक कहबा छल जे अगलि तीन साल मे मिथिला मे चलि रहल सबटा रेल परियोजना पूरा करि लेल जाइत। श्री प्रसाद कहलथि जे कोसी पर बनि रहल पुल 2012 तक बनि जाइत, जखन कि अगिला साल तक पटना मे गंगा पर पुल बनि जाइत।

श्री प्रसाद रेलवे टिशनक विस्तारीकरण आ अन्य महत्वाकांक्षी योजनाक जानकारी दैत कहला जे रेलवे शीघ्र माल ढ़लाई लेल अगल पटरी बिछेबाक काज शुरू करत। जाहि स बिहार सेहो लाभान्वित होइत। श्री प्रसाद कहलथि जे अगला पांच साल मे रेलवे बिहार मे सबस बेसि रोजगार सृजन करत। ओना एहि साल आरपीएफ मे 20 हजार जवान भर्ती केल जाइत।

श्री प्रसादक कहब छल जे रेलवे अपन सामाजिक दायित्वक निर्वाह सेहो गंभीरतपूर्व क करि रहल अछि। राज्य मे आइल भीषण बाढ़ मे रेलवे दिस स चलि शिविर आ अन्य छूट पर विस्तार स चर्चा करैत श्री प्रसाद कहलथि जे रेलवेक प्रयास देखि राज्य सरकार सजग भेल। हुनक दावा छल जे हुनक प्रधानमंत्री स गुहार लगेला पर राज्य सरकार केंद्र ल पहुंचल। श्री प्रसाद कहैत छथि जे राज्य सरकार जतेक टका मंगलक केंद्र आहि स फाजिल देलक अछि, तखनो बाढ़ पीड़ित तक राहत नहि पहुंच रहल अछि। श्री प्रसाद कहलथि जे यूपीए भरत आ बिहारक विकास लेल परमाणु करार केलक अछि, जाहि स बिजलीक समस्या दूर भ सकत। हुनक कहब छल जे बिजली विकास लेल जरूरी अछि।

रेलवेक कर्मचारिक अथक प्रयास स भारतीय रेल अपन गौरवशाली समय स गुजरि रहल अछि। 70 हजार करोड़ टका मुनाफा देनिहार कर्मचारी लेल एहि बेर रेल मंत्रालय हुनका 70 दिनका बोनस देबाक निर्णय लेलक अछि।

लालू प्रसाद
रेलमंत्री

मरल तटबंध स जिनगी बचेबाक प्रयास

प्रीतिलता मल्लिक / कुमुद सिंह

कोसीक बांध टूटि जाइत एकर आशंका छल, मुदा बांध पुरान भ चुकल अछि आओर बांध कमजोर अछि एहि मे ककरो शंका नहि छल। एकर बावजूद बिहार सरकार बांधक सुरक्षा लेल जे व्यवस्था केने छल ओहि पर चर्चा आब भ सकैत अछि। कारण जे लोक धीरे-धीरे अपन गाम लौट रहल अछि ओना शिविर मे लोकक संख्या मे कोनो कमी नहि आइल अछि। गाम लौट रहल परिवार एक बेर फेर स तिनका-तिनका समेट घर बसेबा मे लागल अछि। ओ घर जेकरा ओ बसेने छल ओ बहि चुकल अछि। एकबेर फेर नव शुरुआत करबा स पहिने पुरान प्रश्न उत्तर सब ताकि रहल अछि। आखिर मरल तटबंध स जिनगी बचेबाक प्रयास कनिहार लेल कोन सजा तय हेबाक चाही। इ बहस आइ गाम-गाम भ रहल अछि जे सब किछुक ज्ञान रहलाक बावजूद एहन प्रलय कोना आइल। जर्जर बांध छल आ एकटा डिप्लोमाधारी अभियंता ओकर रखवाली करैत छल। एतबे नहि बाढ़पूर्व तैयारीक जायजा लेबा लेल जल संसाधन मंत्री बांध तक नहि गेलाह। कोसीक मे पाइन छोड़बाक जखन समय आइल तखने बांध पर पदस्थापित अभियंताक स्थानांतरण क देल गेल। जखन कि ओ स्थानांतरण स पूर्व बांध टूटबाक सूचना द रहल छलाह। लोक एहि गप स तमसाइल अछि जे आखिर कोसी मे जखन बाढ़ आइल छल त बांध पर पदस्थापित अभियंताक स्थानांतरण किएक भेल, अगर स्थानांतरण करबाक छल त एक माह पहिने किएक नहि भेल। ओना एतेक महत्वपूर्ण जगह पर एकटा डिप्लोमाधारी अभियंताक नियुक्ति सेहो सरकारक गंभीरताक परिचय द रहल अछि। सरकारक गंभीरता त एतबे रहल जे बांध टूटला स पूर्व बांध पर कोनो कैंप क स्थापना अथवा आपातस्थिति स निबटबा लेल टास्क फोर्सक गठन तक नहि भ सकल छल। कहल जाइत अछि जे जलसंसाधन मंत्रीक करीबी ठेकेदार स बांधक मरम्मत कराउल जा रहल छल। ठेकेदार आ मजदूर मे मजदूरीक सवाल विवाद भेल, जेकर संबंध मे कहल गेल जे नेपाली माओवादीक हस्तक्षेपक कारण बांधक मरम्मत नहि भ सकल। एकर नियमित सूचना जलसंसाधन मंत्री त अबैत रहल, मुदा ओ ठेकेदार पर कोनो कार्रवाई करबाक निर्देश नहि देलथि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लग सेहो जानकारी पहुंचल जे माओवादी काज बाधित क रहल छथि। मुख्यमंत्री विदेशमंत्री स गप केलथि। मुदा काठमांडू आ दिल्लीक बीच जखन गप भेल, तखन धरि बहुत देर भ चुकल छल आ आधा मिथिला डूबी चुकल छल।

दरअसल पिछला पचास साल स सरकार एहिना काज करैत आइल अछि आ बांध टूटैत रहल अछि। किछु नहि बदलल। बदलल त केवल बांध टूटबाक स्थान, जलसंसाधन मंत्रीक नाम आ मृतकक संख्या। नहि बदलि सकल सरकारी लचरता, बाढ़ क नाम पर लूट आ एक-दोसर पर आरोप लगेबाक प्रथा। जे प्रलय सब साल अबैत अछि (चाहे ओ पश्चिम मिथिला मे आबे चाहे पूर्व मिथिला मे) ओकरा लेल सरकार आखिर कहिया गंभीर होइत। राहत क मुद्दा पर जे नीतीश बाबू दावा करथि, मुदा एतबा त हुनको मानि लेबाक चाही जे मरल तटबंध स जिनगी बचेबाक दावा निश्चित रूप स कोसी मे बहि गेल।

बाढ़ आइल या बजाउल गेल-भाग दू

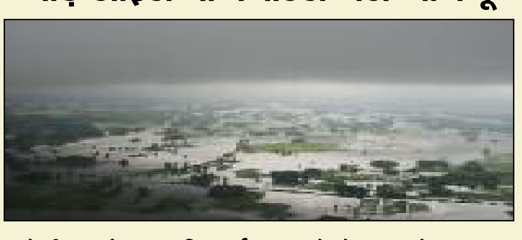

कोसी पर बैराजक निमार्ण 1963 मे भेल आओर 1964 मे एहि मे पाइन प्रवाहित भेल। 25 साल लेल बनल बैराज आइ 45 साल पूरा क चुकल अछि। एतबा दिन मे कोसीक 20 फुट ऊपर बहि रहल अछि। पिछला कतेक साल स बांधक बीच स बालूक नहि हटाइल गेल अछि एकरा उत्तर देनिहार कियो नहि अछि। ओना कागज पर बालू सब साल हटाउल जाइत अछि। सरकार बदलल मुदा इ परिपाटी नहि बदलल। नीतीश कुमारक छविक सबस पैघ क्षतिक रूप मे सामने आइल इ तथ्य सर्वमान्य भ रहल अछि जे राजग सरकार सेहो पूर्वत सरकार जेना बाढ़क बाट तकैत छल।

भूखल अछि पेट पड़ल अछि राहत

रेलवे स्टेशन आ गोदाम राहत सामग्री स अस्त-व्यस्त, मुदा लोक भूख स बेहाल

समदिया

पटना : बिहार सरकारक स्तर पर बाढ़ पीड़ित लेल राहत आ पुनर्वासक पैघ-पैघ गप भ रहल अछि, मुदा परिस्थिति ई अछि जे बिहार तक पहुंचल राहत बाढ़ पीड़ित तक नहि पहुंच रहल अछि। पटना स ल के सहरसा तक जहि रेलवे टिशन स गुजरब प्लेटफारम पर राहतक सामान बिखरल भेटत, मुदा गाम पहुंचला पर भूख स बेहाल लोकक कतार नित्य लंबा भ रहल अछि। ओना ई संतोषप्रद अछि जे शहर मे चलि रहल सरकारी मेगा राहत शिविर व विभिन्न राजनीतिक दलक व अन्य संगठनक शिविर मे बाढ़ पीड़ितक लेल ठीक-ठाक व्यवस्था अछि। खास क स्वास्थ्य शिविरक भूमिका उल्लेखनीय रहल। एहन भीषण प्रलयक बावजूद इलाका मे महामारी स कोनो बीमारी नहि फैल सकल। ओना शहर स भीतर गेला पर सरकारक भूमिका लुप्त भ जाइत अछि। मेगा शिविर स इतर गप करि त लगभग सबटा शिविर लूटक अड्डा बनि रहल अछि। जेना-जेना कोसी शांत भ रहल छथि, तेना-तेना घोटालाबाज सक्रिय भ रहल छथि। जहि 320 टा शिविरक सरकार उल्लेख करैत अछि, ओहि मे स अधिकतर शिविर मे दबंग आ असामाजिक तत्वक कब्जा अछि। गाम आ घरक मोह मे फंसल बाढ़पीड़ित लेल पठाउल जा रहल राहतक सामान बाटहि मे लूटि लेल जाइत अछि। शुरुआत मे जे राहतक रूप देखाइल छल,धीरे-धीरे ओ अपन पुरान बाट पर लौट गेल अछि। फेर ओहिना सब किछु भ रहल अछि, जेना पिछला पचास साल स भ रहल छल।

शहर आ गाम मे अछि अंतर

आखिर भेटल न्याय | **डॉ चंद्रा अपहरणकांड मे कोर्टक फैसला**

जदयू विधायक सुनील पांडेय पउलथि उम्रकैद

बिहार मे कानूनक राज स्थापित भ रहल अछि। इ सवाल पर बहस भ सकैत अछि, मुदा जदयू विधायक सुनील पांडेय के भेटल उम्रकैदक सजा एहि बहस के रोचक बना दैत अछि। एखन धरि जतेक विधायक, सांसद अथवा नेता सजा पउने रहथि, ओहि मे अधिकतर विरोधी दल राजदक रहथि, किछु आन दलक सेहो छलाह। एहि मुद्दा पर नीतीश सरकार पर लोक अंगूली उठबैत छल जे राजनीतिक लाभक खातिर विरोधी दलक नेताक केस पर अधिक जोर देल जा रहल अछि। सुनील पांडेय सत्ताधारी दलक विधयक हेबाक संग-संग उच्च जाति स अबैत छथि। एहन मे इ फैसला एकटा नव संदेश दैत अछि। आम लोक लेल इ संदेश काफी छैक जे आब एसपी पर बंदूक क रौब देखा कियो बचि नहि सकैत अछि, चाहे ओ उच्च जातिक हुउ अथवा सत्ताधारी दलक विधायक।

समदिया

पटना : बहुचर्चित रमेशचंद्र अपहरण कांड मे पटना जिलाक अपर जिला व सत्र न्यायधीश-तेसर, विजय प्रकाश मिश्र पीरो क विधायक आ कांडक मुख्य आरोपित सुनील पांडेय समेत पांच गोटे के आजीवन कारावासक सजा सुनौउलथि। अदालत इनका लोकनि पर पचास-पचास हजार टकाक जुर्माना सेहो ठोकलक अछि।

लोक अभियोजक प्रकाश सिंह एहि संबंध मे बतदलथि जे 2003 मे पटनाक प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ रमेश चंद्र क अपहरण करि लेल गेल छल। एहि मामला मे पीरोक विधायक सुनील पांडेय समेत दस गोटे आरोपित बनाउल गेल छल। ओहि मे स पांच गोटे फरार छथि। जखन कि पांच गोटे, सुनील पांडेय, अनिल कुमार सिंह,लुलन शर्मा, मुन्ना सिंह आओर धीरज के आजीवन कारावासक सजा सुनाउल गेल अछि। फरार पांच गोटे लेल गैर जमानती वारंट जारी भ चुकल अछि। ओना एहि मे स एकटा आरोपति रविंद्रक मौत भ चुकल अछि। सिंह कहैत छथि जे दोषी द्वारा दंडस्वरूप देल गेल पचास-पचास हजार टका मे स 75 फीसदी हिस्सा पीड़ितक परिवार के देल जाइत। अबेर स सहि न्याय आखिर भेट गेल।

की छल आरोप

पटनाक प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ रमेश चंद्र क अपहरण 17 मई, 2003 के राति करीब 12 बजे क लेल गेल छल। रमेश चंद्रक रिहाई लेल पचास लाख टका फिरौती मांगल गेल छल। हुनक अपहरण तखन भेल छल जखन ओ पटना मे एकटा विदेशी डॉक्टराक सम्मान मे आयोजित एकटा समारोह स अपन मिठापुर स्थित घर लौटइत छलाह। एहि घटना स पूरा पटना हिल गेल छल आओर डॉक्टर समुदाय मे दहशत व्याप्त भ गेल छल। एहि घटनाक बाद पटना स किछु डॉक्टर पलायन तक करि लेलथि आ किछु निजी सुरक्षाकर्मी राखि लेलथि। ओना सरकार पर बढ़ल दबावक कारण 21 मई के बिहार पुलिस डॉ चंद्रा के पटना जिलाक नौबतपुर थाना क्षेत्रक चिरौरा गाम स शकुशल बरामद करि लेलक, मुदा कहल जाइत अछि जे हुनक रिहाई फिरौतिक रकम देलाक बाद संभव भेल छल।

अगिला सप्ताह स शुरू होइत पुनर्वासक कार्यक्रम

पटना : बिहार मे एखन धरिक इतिहासक सबस पैघ पुनर्वास कार्यक्रमक शुरुआत अगिला सप्ताह स भ रहल अछि। लाखो लोक आइ अपन घर स दूर राहत शिविर मे दिन बिता रहल छथि। सरकार हुनका लेल घरक व्यवस्था करि रहल अछि। योजनाक अनुसार प्रत्येक घर लगभग 25 हजार टका स बनाउल जाइत। घरक नक्शा सरकार एकटा निजी कंपनी स बनबा रहल अछि। उम्मीद अछि जे एक-दू दिन मे नक्शा मुख्यमंत्री लग पहुंच जाइत। मुख्यमंत्रीक स्वीकृतिक बाद ओकरा कैबिनेट मे राखल जाइत। घरक संबंध मे बताउल जा रहल अछि जे ओ तमिलनाडु आ गुजरात स प्रभावित भ बनाउल जा रहल अछि। तमिलनाडु मे सूनामी आ गुजरात मे भूकंपक बाद ओहि ठाम पैध पैमाना पर घरक निमार्ण भ चुकल अछि। आशा कैल जा रहल अछि जे बिहार मे सेहो ओहिने घर बनाउल जाइत। पिछला सप्ताह बिहार स किछु पदाधिकारी दूनू राज्यक दौरा सेहो केने छलाह आ घर देखबाक बाद अपन रिपोर्ट संबंधित लोक लग सौंप देलाह अछि। पदाधिकारीक कहब अछि जे सरकार द्वारा बनाइल जा रहल मकान पूर्ण रूप स भूकंपरोधी रहत आ ओकर ऊंचाई सेहो एतबा रहत जे बाढ़ एला पर ओकर छतक व्यवहार भ सकत। सवाल उठैत अछि जे सरकार मकानक गुणवत्ता क जांच लेल केहन प्रयास करैत अछि आ मकान लेबा लेल कोना सूची तैयार होइत अछि। इतिहास रहल अछि जे बिहार मे एहन सूची जखन बनल ओहि मे स गरीब गायब रहल।

केंद्रीय दल केलक जमीनक जांच

पटना : कहल जाइत अछि जे कोसी जतेक माइट बहा ल जाइत अछि ओहि स बेसी द जाइत अछि। बहुत सालक बाद कोसी अपन पुरान बाट पर लौटल अछि। बहुत किछु बहा ल गेल, मुदा द गेल उपजाउ माइट। एहन माइट जाहि पर सोना उगि सकैत अछि। नहि कोनो खादक आवश्यकता आ नहि कोनो कीटनाशकक जरूरत। किछु एहने संभावनाक जांच लेल दिल्ली स एकटा दल कोसीक क्षेत्र पहुंचल अछि। कृषि मंत्रालयक एहि दल मे दसटा कृषि वैज्ञानिक सेहो छथि जे एतुका माइटक नमुना जांच लेल जमा करि रहल छथि। दल मे शामिल एकटा कृषि वैज्ञानिकक कहब अछि जे ओ बाढ़ बाद माइट मे व्याप्त प्रदूषनक जांच लेल आइल छथि, मुदा एतेक उपजाउ भूमि देख ओ चकित छथि आ कहैत छथि जे एहन माइट पूरा भारत मे कतहु नहि अछि। एहि माटी पर अगर किछु फेंको देल जे त सोना स उपजत। कोनो ओ कहैत छथि जे बाढ़ एहि इलाकाक फसल लेल अभिशाप अछि, मुदा सबटा दुख एकरे थोरे भेटत, अभिशाप मे वरदान नुकाइल अछि।

चारि साल बाद भेल कोसी पर चर्चा

समदिया

काठमांडू : सब साल कोसीक प्रलय स निजात लेल भारत आ नेपालक पदाधिकारी आखिर चर्चा लेल बैसलाह। ओना चारि साल बाद आयोजित एहि बैठक मे कोनो खास निष्कर्ष नहि निकलि सकल, मुदा एतबा साफ भ गेल जे कोसीक एहि सालक तांडव देखि दूनू देशक पदाधिकारीक नींद टूटल आ ओ एक ठाम जमा भ एकर निराकरण लेल गप शुरू केलाह। सूत्रक अनुसार एहि बैठक मे मुख्य रूप स टूटल तटबंधक मरम्मत पर खास चर्चा भेल आ दूनू पक्ष एहि पर सहमत भेला जे प्राथमिकताक आधार पर टूटल तटबंधक मरम्मत शुरू हुए। एकर संगहि दूनू पक्ष कोसीक नव धार पर चर्चा केलथि, जेकरा पुरान बाट पर ल जेबा लेल कार्ययोजना बनाउल जा रहल अछि। कोसी नदीक ऊपर बनल एहि संयुक्त समितिक बैठक मे भारतीय दलक नेतृत्व यूएन पंजियार क रहल छथि। पंजियारक अनुसार दूनू देश नदीक बेहतर उपयोगक मद्देनजर अनेक प्रोजेक्ट पर गहनता स चर्चा भेल। नेपाल मे दू टा नव डैम बनेबा पर सेहो गप भेल। एकरा संगहि एहि पर सेहो चर्चा भेल जे हाइडल पावर लेल केना कार्ययोजना बनाउल जाए।

नेपालक प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' स भेल किछु गपचप

नेपाल बदलि रहल अछि, संबंध सेहो अपडेट होइत

नेपालक प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड क संबंध मे अनेक भ्रम अछि। छापामार गुरिल्ला कर्मी क कमांडर स देशक सर्वोच्य पद तक हुनक सफर कोनो अजुबा स कम नहि रहल। परंपरा तोड़बा मे माहिर प्रचंडक संबंध मे कहल जाइत अछि जे ओ भारत स बेसी चीन स नजदीकी रखैत छथि। लोकतंत्रक नव परिभाषा गढबाक प्रयास करनिहार प्रचंड पिछला सप्ताह दुनियाक सबस पैघ लोकतांत्रिक देश भारतक यात्रा पर एलाह। प्रचंडक अनुसार प्रधानमंत्री बनलाक बाद इ हुनक राजनीतिक तौर पर पहिल विदेश यात्रा छी, मुदा कहल जाइत अछि जे ओ नेपालक परंपराक खिलाफ अपन पहिल विदेश यात्राक तौर पर चीन गेलाह। चीन यात्रा, भारतीय सेना मे गोरखाक नियुक्तिक मसला, सुगौली संधि सहित अनेक मुद्दा पर हुनका स विस्तार स गप भेल। भारतीय माओवादी आंदोलन मे हुनक हिस्सेदारी आ माओवादी पृष्ठभूमिक बावजूद निजी निवेश लेल हुनक प्रयास पर सेहो चर्चा भेल। दहिना देखैत बायां चलनिहार प्रखंड नेपालक विकास लेल किछु करबा लेल तैयार छथि। हुनक नीति स्पष्ट अछि आओर ओ कूटनीतिक अंदाज मे कहैत छथि जे नेपालक चीन संग की संबंध अछि, ताहि स बैसी महत्वपूर्ण ई अछि जे भारत-नेपालक संबंध पहिने स कतेक मजबूत भेल अछि ओहि पर चर्चा हुए। हम एकटा एहन राष्ट्रक नेता छी, जेकरा सब स मददक जरूरत अछि, एहन मे नेपाल केकरा स दूर आ केकरा स लग अछि, ई प्रश्न नहि उठबाक चाही। ओना ओ मानलथि जे नेपाल आ भारतक बीच अलग तरहक संबंध अछि। प्रस्तुत अछि हुनका स भेल गपक मुख्य अंश :-

प्रधानमंत्री बनलाक बाद अहांक इ पहिल भारत यात्रा छी, भारत सरकारक रुख केहन लागल ?

भारत सरकारक रुख सकारात्मक कहल जा सकैत अछि। हम प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, विदेशमंत्री प्रणब मुखर्जी संग-संग विभिन्न राजनीतिक दलक नेता स भेंट केलहु अछि। गपशप क दौरान हमर साफ कहब छल जे भारत आ नेपालक बीच 1950 मे भेल संधिक आयु पूरा भ चुकल अछि, नव संधि स दूनू देशक नव संबंध क द्वार खुलत। दरअसल नेपालक व्यवस्था मे क्रांति आइल अछि। एहन मे हम भारत संग संबंध 'अपडेट' करय चाहैत छी। एकरा लेल पुरान संधिक समीक्षा जरूरी अछि।

अहां भारत सरकार स की चाहैत छी, नव रूपक तात्पर्य की अछि?

नेपाल आ भारतक बीच जे संधि भेल अछि, ओहि मे नेपालक दर्जा बराबरीक नहि अछि। चाहे ओ भारतीय सेना मे गोरखाक बहालीक मुद्दा हो या नदी जल बंटबारा क। नेपाल एहने किछु शर्तक समीक्षा चाहैत अछि।

कि हुनका स मात्र संधिक समीक्षा पर गप भेल ?

नहि, हम सीमा सुरक्षा, जल संसाधन स संबंधित मुद्दा पर सेहो चर्चा केलहुं।

एहि मुद्दा पर भारत सरकारक रुख की रहल ?

भारत सरकार सेहो मानैत अछि जे संधि पुरान भ चुकल अछि आ एकर समीक्षाक इ उपयुक्त समय अछि । एहि मासक अंत तक एहि लेल बैठकक सिलसिला शुरू भ जाइत। दूनू देश एकरा लेल एकटा टास्क फोर्सक गठन करत, जे सबटा संधिक समीक्षा करत। टास्क फोर्स इ तय करत कि कोन संधिक मे संशोधन हेबाक चाही आ कोन संधि रद्द करिकेओकर स्थान पर नव संधि हेबाक चाही।

खुशहाल बिहार समृद्ध नेपाल लेल जरूरी अछि

कहल जाइत अछि जे अहां भारत स बेसी चीनक नजदीक छी ?

देखू, भारत आ चीन दूनू नेपालक पड़ोसी देश अछि। दूनू देशक तुलना करब उचित नहि। हम एकटा छोट देश छी। हमरा अपन समृद्धि लेल सब स सहयोगक अपेक्षा अछि। जहां तक भारत सवाल अछि त नेपाल आ भारत क बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक आ आर्थिक लेन-देन क पुरान संबंध अछि। हम चीन संग सेहो संबंध मजबूत करय चाहैत छी।

परंपराक विपरित अहांक पहिल विदेश यात्रा चीन रहल ?

पहिल गप त इ जे एहन कोनो परंपरा नहि अछि। ओ महज संयोग छल आ हमर पहिल विदेश यात्रा चीन रहल सेहो संयोग अछि। दरअसल हम ओलंपिकक उद्घाटन मे नहि जा सकल रही, ताहि लेल समापन समारोह मे गेलहुं, एकरा कूटनीतिक नजरि स नहि देखबाक चाही।

कि ओलंपिक नहि होइत त चीन नहि जइतहु ?

संभवत नहि, तखन भारत हमर पहिल विदेश यात्रा होइत, ओना इ हमर पहिल राजनीतिक यात्रा थीक।

भारतक पांचटा राज्य माओवादी हिंसा स ग्रस्त अछि। नेपालक क्रांति आ भारतीय माओवादीक संघर्ष मे की समानता अछि ?

भारत मे भ रहल माओवादी गतिविधि स नेपालक क्रांतिक तुलना नहि भ सकैत अछि। भारतक माओवादी स नेपालक माओवादीक कोनो संबंध नहि अछि। दूनू देशक आंदोलन मे कोनो समानता नहि अछि। दूनू अपन-अपन लक्ष्य आ अपन-अपन स्तर पर आंदोलन चला रहल अछि। सच पूछू त नेपालक क्रांतिक तुलना ककरो स नहि भ सकैत अछि। चीन आ रूस मे भेल कम्युनिस्ट आंदोलन सेहो नेपालक क्रांति स भिन्न छल। एकर एकटा मुख्य कारण इ अछि जे दुनियाक विभिन्न हिस्सा मे भेल अथवा भ रहल आंदोलन स्थानीय आवश्यकता आओर परिस्थिति पर आधारित होइत अछि।

त कि नेपाल मे लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होइत ?

हमर नेपाल मे संसदीय लोकतंत्र आ प्रचलित लोकतांत्रिक व्यवस्था दूनू नव रूप मे भेटत। हमसब एकटा नव व्यवस्था कायम करब, जे नेपालक परिस्थितिक अनुकूल होयत।

त कि ओ कम्युनिस्ट गणतंत्र सन होयत ?

नहि। हम एकदम नव व्यवस्थाक गप करि रहल छी। ओ प्रभावकारी लोकतांत्रिक व्यवस्था होयत जेकर तुलना बुर्जुआवादी लोकतंत्र स नहि भ सकैत अछि। इ 21वीं सदीक अभिनव आओर आदर्श व्यवस्था होयत। इ एकटा प्रयोग थीक। सीधा सरकार स जनता के जोड़बा मे समर्थ एहि व्यवस्था स नहि केवल नेपाल मे बदलाव आउत, बल्कि एहि स भारत सहित पूरा विश्व पर दूरगामी प्रभाव पड़त।

आ प्रयोग असफल रहल त ?

अगर हम एहि प्रयोग मे असफल रहलहुं त इ केवल नेपालक नहि, बल्कि बदलावक वकालत करनिहार ओ तमाम ताकतक हार होइत, जेकर नेपाल मे परिवर्तनक लेल सहयोग भेटैत रहल अछि। नेपाल मे बदलावक जड़ि नेपाल धरि नहि सिमटल अछि, एकर विस्तार काफी व्यापक अछि।

भारत-नेपालक सीमा खुलल अछि। भारत विरोधी तत्व आसानी स नेपालक रास्ता स भारत मे प्रवेश करि जाइत छथि ?

नेपालक एक इंच धरती भारत विरोधी काज लेल नहि देल जाइत। जहां तक खुलल सीमाक सवाल अछि, त हम सीमाक मुद्दा पर सेहो गप केलहुं अछि। दूनू देश एहि पर गंभीरता स विचार करि रहल छी।

नेपाल स आइल नदी सब साल बिहार मे प्रलय करैत अछि। एहि साल त रिकार्ड क्षति भेल अछि। नेपाल लग एकर किछु समाधान छैक ?

कोसी आ अवधारा समूहक अन्य नदीक प्रकोप स हमहुं पीड़ित छी। जल प्रबंधन पर भारत सरकार स भ रहल अछि। हाइडल प्रोजेक्टक विकास स दस हजार मेगावाट बिजली उत्पादन करि बिजलीक मामले मे नेपाल आत्मनिर्भर भ सकैत अछि। हम अपन जलस्रोत क दोहन लेल भारतक मदद चाहैत छी। नेपालक मधेश आ बिहारक मिथिला क्षेत्र मे सब साल होईवाला तबाहीक रोकथाम लेल दूनू देश मिल के प्रयास शुरू करि रहल अछि। नेपाल मे हाइडैम बनेबाक भारतक प्रस्ताव पर विचार भ रहल अछि। एकरा लेल विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनेबा लेल कहल गेल अछि। हम चाहैत छी जे बाढ़क निदानक संग-संग बिजलीक उत्पादन हुए आओर सीमाक दूनूकात खुशहाली रहे। हम चाहैत छी जे कोसी अभिशाप नहि बल्कि दूनू देश लेल आशीर्वाद बने।

अहांक भारत स आओर की मददक अपेक्षा अछि?

नेपालक आर्थिक विकास लेल आधारभूत संरचनाक विकास भारतक सहयोगक बिना संभव नहि अछि। एखन नेपाल रेलवेक क्षमता नाम मात्र अछि। हम नेपाल मे रेलवे क एकटा पैघ परियोजना पर काज शुरू करय चाहैत छी। हम चाहैत छी जे बिहारक जयनगर स नेपालक पश्चिमी तराई इलाका तक माल ट्रेनक माध्यम स पहुंच सकै। ताहि लेल तराई क्षेत्र मे पूर्व स पश्चिम तक पटरी बिछेबा लेल भारत सहयोग आपेक्षित अछि। एहि स नेपाल मे समृद्धि आउत आ नव आयामक शुरुआत होयत।

अहां नेपाल मे भारतीय उद्योगपति स निवेश लेल अग्रह करैत छी, मुदा ओहि ठाम सुरक्षाक गंभीर संकट अछि?

हम चाहैत छी जे नेपाल ओद्यौगिक रूप स विकसित देश बनय। हम आश्वस्त करैत छी जे नेपाल मे निवेश करू, ओहि ठाम सुरक्षा लेल जे भ सकत से करब। हम पिछला घटना मे नहि जे चाहैत छी, डाबर संग जे भेल दुखद छल।

वामपंथी विचारधारा स निजी क्षेत्र डराइल रहैत अछि। फेर अहांक मुंह स पूंजी निवेशक आग्रह और भ्रम पैदा करैत अछि?

आइ कोनो देश लेल सबस पहिल जरूरत ओकर आर्थिक विकास अछि। नेपालक निर्माण मे साम्यवाद या समाजवाद स अधिक आइ पूंजीवाद जरूरत अछि। हम बस नेपालक निर्माणक चिंता रखैत छी, एहन नेपाल लेल पूंजी क व्यवस्था करब हमर पहिल लक्ष्य अछि। हमरा विश्वास अछि जे मजबूत नेपाल आ समृद्ध नेपाल एकटा साम्यवादी नेपालक जन्म देबा मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करत।

प्रचंड नेपालक बदलल परिस्थितिक प्रतीक छथि। आंदोलनकारी, जुझारू नेतृत्वक बाद देशक सर्वोच्च पद पर आसीन प्रधानमंत्रीक भारतक प्रति व्यक्त केल गेल आस्था हमर अपेक्षाक अनुरूप अछि।

सोनिया गांधी
कांग्रेस अध्यक्ष

प्रचंडक हाइडल प्रोजेक्टक प्रस्ताव हमर आवश्यकताक निआनक संकेत थीक। हुनक इ प्रस्ताव उत्साहवर्धक अछि आ हम एकर स्वागत करैत छी। भारत सरकार अगर आदेश दिए त हम नेपालक बाढ़ग्रस्त क्षेत्रो मे राहतक अभियान शुरू करबा लेल तैयार छी